Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

भाषाई माध्यम के अंतर का विद्यार्थियों की शैक्षिक समायोजन क्षमता पर प्रभाव : शासकीय हिंदी माध्यम एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन

हिमलता साहू

सहायक प्राध्यापक

विकास शिक्षा महाविद्यालय, डुमर तराई, रायपुर, छत्तीसगढ़

परिचय

शिक्षा केवल जानकारी का संचार नहीं, बल्कि विद्यार्थी के व्यक्तित्व और सामाजिक समायोजन की प्रक्रिया भी है। विद्यालयी शिक्षा का भाषा-माध्यम (भाषाई माध्यम) छात्र के अधिगम, संप्रेषण व सामाजिक समायोजन पर गहरा प्रभाव डालता है। भारत जैसे बहुभाषी समाज में भाषा न केवल संचार का माध्यम है, बल्कि सांस्कृतिक पहचान, आत्म-प्रतिष्ठा और शैक्षणिक सफलताओं से जुड़ा मनोविज्ञानिक घटक भी है। शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालयों व अंग्रेजी माध्यम संस्थाओं के बीच पाठ्यपद्धति, शिक्षक-छात्र अंतःक्रिया, संसाधनों की पहुंच और सामाजिक अपेक्षाओं में भिन्नताएँ देखने को मिलती हैं। ये भिन्नताएँ विद्यार्थियों की **शैक्षिक समायोजन क्षमता** अर्थात अध्ययन से संबंधित भावनात्मक, व्यवहारिक और सामाजिक समायोजन को प्रभावित कर सकती हैं। इस संदर्भ में शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य तुलनात्मक विश्लेषण अत्यंत उपयोगी है ताकि भाषा-माध्यम के प्रभावों को व्यावहारिक रूप से समझा जा सके और नीतिगत सिफारिशें की जा सकें।

अध्ययन की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि

अध्ययन के लिए निम्न सैद्धान्तिक ढाँचों से प्रेरणा ली गई है:

1. **सामाजिक-मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (Sociocultural Theory — Vygotsky)**: भाषा और सामाजिक अंतःक्रिया सीखने की प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। भाषा-माध्यम विद्यार्थियों के सोचने, समस्या-समाधान और सामाजिक सहभागिता के अवसरों को परिभाषित करता है।
2. **सामाजिक पहचान सिद्धांत (Social Identity Theory)**: भाषा-माध्यम से जुड़ी सामाजिक मान्यताएँ विद्यार्थियों की आत्म-छवि और समूह-संबंधों पर असर डालती हैं, जो समायोजन के भावनात्मक घटक को प्रभावित करती हैं।
3. **सह-निर्भरता एवं अनुकूली व्यवहार (Adjustment Theory)**: समायोजन क्षमता का विकास व्यक्ति-पर्यावरण अंतःक्रिया पर निर्भर है — विद्यालय की भाषायी नीतियाँ, सहपाठी और शिक्षक व्यवहार इन अंतःक्रियाओं में निर्णायक हैं।
4. **संवेदी-संज्ञानात्मक मॉडल (Cognitive Load / Language Processing Models)**: जिस माध्यम में छात्र सहज नहीं होते, वहाँ भाषा प्रोसैसिंग में अधिक संज्ञानात्मक भार आता है, जिससे सीखने और समायोजन में रुकावट आ सकती है।

इन सिद्धांतों से स्पष्ट है कि भाषा-माध्यम केवल संचार का जरिया नहीं, बल्कि शैक्षिक समायोजन के बहु-आयामी निर्धारक भी हैं।

अध्ययन का महत्व

- **शैक्षिक नीति के लिए संकेत:** केंद्रीय/राज्य शिक्षा नीतियों में भाषा-सम्बंधी नियोजन व प्रशिक्षण को अधिक वैज्ञानिक आधार उपलब्ध कराएगा।

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

- **विद्यालय प्रबंधन:** शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्य सामग्री तथा अतिरिक्त भाषा-सहायता कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन देगा।
- **विद्यार्थी कल्याण:** समायोजन संबंधी समस्याओं का शीघ्र पहचान व हस्तक्षेप संभव होगा।
- **शोध में योगदान:** भाषा-माध्यम और शैक्षिक समायोजन के बीच तुलनात्मक प्रमाण प्रदान कर भारतीय बहुभाषिक संदर्भ में साहित्यिक गैप भरने में मदद करेगा।

समस्या का विवरण (Statement of the Problem)

भाषा-माध्यम भिन्न होने पर विद्यार्थियों के अध्ययन-वर्चस्व, शैक्षिक रुचि, आत्मविश्वास और विद्यालयी सामाजिक अनुकूलन में अंतर हो सकता है। विशेषकर शासकीय हिंदी माध्यम व निजी/मानवाधारित अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के बच्चों के बीच ऐसी विभिन्नताएँ किस प्रकार प्रकट होती हैं और क्या भाषा-माध्यम स्वयं शैक्षिक समायोजन क्षमता का महत्वपूर्ण निर्धारक है, यह स्पष्ट नहीं है। अतः इस अध्ययन का समस्या विवरण है: **"शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालयों और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक समायोजन क्षमता में भाषा-माध्यम के आधार पर क्या अंतर है तथा किस आयाम में यह अंतर सर्वाधिक दिखाई देता है?"**

प्रमुख शब्दों की प्रकार्यात्मक परिभाषाएँ (Operational Definitions)

- **भाषाई माध्यम (Language Medium):** विद्यालय में पढ़ाई के लिए चुनी गयी मुख्य भाषा इस अध्ययन में 'हिंदी माध्यम (शासकीय)' और 'अंग्रेजी माध्यम (स्वामी आत्मानंद)' को संदर्भित करता है।
- **शैक्षिक समायोजन क्षमता (Academic Adjustment Ability):** विद्यार्थी की उस क्षमता को दर्शाता है जिससे वह अध्ययन की माँगों, शैक्षणिक दबावों, कक्षा-निर्देशों और परीक्षा-परिस्थितियों के अनुरूप संतुलन और अनुकूलन कर पाता है; इसमें अध्ययन-रुचि, पढ़ाई में निरंतरता, परीक्षा चिंताओं का प्रबंधन, शिक्षक/सहपाठी के साथ अनुकूल व्यवहार शामिल है।
- **शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय:** राज्य/केंद्र के संचालित सरकारी विद्यालय जहाँ प्राथमिक माध्यम हिंदी है।
- **स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय:** अध्ययन में संलग्न विशिष्ट अंग्रेजी माध्यम संस्थान।

चर (Variables)

- स्वतंत्र चर (Independent Variable)- भाषाई माध्यम (दो श्रेणियाँ): शासकीय हिंदी माध्यम बनाम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम
- आश्रित / परतंत्र चर (Dependent Variable)- विद्यार्थियों की शैक्षिक समायोजन क्षमता

अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

1. शासकीय हिंदी माध्यम व स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक समायोजन क्षमता का परिमाणात्मक आकलन करना।
2. दोनों माध्यमों के विद्यार्थियों के समायोजन-उपआयामों की तुलनात्मक जाँच करना।
3. भाषाई माध्यम और शैक्षिक समायोजन क्षमता के बीच संबंध ज्ञात करना।
4. जनसांख्यिकीय कारकों (लिंग, वर्ग-स्तर, आर्थिक-पृष्ठभूमि) के परिप्रेक्ष्य में अंतर का विश्लेषण करना।
5. विद्यालयों के लिए भाषा-आधारित शैक्षिक समर्थन की नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत करना।

अध्ययन के शोध-प्रश्न

1. क्या शासकीय हिंदी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन क्षमता के औसत में अंतर है?
2. किन-किन उप-आयामों (जैसे अध्ययन-रुचि, परीक्षा-चिंता, समय-प्रबंधन) में अंतर सर्वाधिक दिखाई देता है?
3. क्या भाषाई माध्यम और शैक्षिक समायोजन के बीच सांख्यिकीय रूप से अर्थपूर्ण सम्बन्ध है?
4. क्या लिंग, कक्षा-स्तर या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि भाषा-माध्यम व समायोजन के सम्बन्ध को प्रभावित करती है?

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

समस्या का दायरा (Scope of the Study)

- अध्ययन विशिष्ट रूप से दो प्रकार के विद्यालयों (शासकीय हिंदी माध्यम और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम) के कक्षा-8 से कक्षा-12 तक के विद्यार्थियों पर सीमित था।
- भौगोलिक दायरा: बस्तर जिला।
- परिक्षण केवल शैक्षिक समायोजन क्षमता पर केंद्रित था; भाषा-प्राप्ति दक्षता या शैक्षणिक उपलब्धि प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन का केंद्र नहीं था।

सीमांकन और क्षेत्र (Delimitation and Area)

- अध्ययन केवल दो विद्यालय प्रकार और उनके चयनित तीन-तीन विद्यालयों तक सीमित रहेगा।
- केवल स्वयं-रिपोर्ट मैट्रिक्स और शिक्षक-रेटिंग का उपयोग होगा; गहराईपूर्ण भाषा-विश्लेषण/मूल्यांकन शामिल नहीं है।
- समय प्रतिबंध: एक शैक्षणिक सत्र के भीतर प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट सम्पन्न।

साहित्य समीक्षा

1. **Shukla (2016)** - अध्ययन में पाया गया कि भाषा-माध्यम विद्यार्थियों की आत्मविश्वास और कक्षा में भागीदारी को प्रभावित करता है; अंग्रेजी-माध्यम के विद्यार्थियों को भाषा-सुविधा के कारण ओर अधिक मौखिक सहभागिता मिली।
2. **Verma & Patel (2018)** - शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालयों के छात्र-छात्राओं में संसाधन-सीमितता और भाषा-स्वीकृति के कारण परीक्षा-चिता अधिक पाई गई।
3. **Reddy (2019)** - भाषा-माध्यम और शैक्षणिक समायोजन के बीच मध्यम दर्जे का सकारात्मक सहसंबंध रिपोर्ट किया; तथा शिक्षण-शैली और सहपाठी-समर्थन को मध्यस्थ के रूप में चिन्हित किया।
4. **Khan & Rao (2020)** - अंग्रेजी-माध्यम विद्यालयों में अतिरिक्त भाषा-सहायता (tutoring) एवं सहपाठी नेटवर्क ने समायोजन क्षमताओं को बढ़ाया।
5. **Joshi (2021)** - ग्रामीण हिंदी माध्यम विद्यार्थियों ने कक्षा-निर्देशों का पालन करने में अधिक कठिनाई व्यक्त की, परन्तु यदि शिक्षक स्थानीय भाषा में सपोर्ट देते हैं तो समायोजन में सुधार देखा गया।

शोध अंतराल (Research Gap)

- तुलनात्मक अध्ययन जो विशेष रूप से "शासकीय हिंदी माध्यम बनाम स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम" जैसे समकालीन विद्यालयी सेटिंग्स पर केन्द्रित हों, सीमित हैं।
- बहु-आयामी समायोजन स्केल (अध्ययन-रुचि, परीक्षा-चिंता, समय-प्रबंधन, कक्षा-अनुकूलन) के तुलनात्मक विश्लेषण की कमी है।
- स्थानीय/क्षेत्रीय संदर्भ (जैसे बस्तर) में सांस्कृतिक तथा संसाधन-विशेष प्रभावों का समेकित मूल्यांकन कम मिला है। यह अध्ययन इन अंतरालों को भरने का प्रयास करेगा।

शोध पद्धति (Research Methodology)

- शोध डिज़ाइन (Research Design)- **तुलनात्मक (Comparative) तथा सहसंबंधात्मक (Correlational) सर्वे डिज़ाइन**।
- जनसंख्या (Population)- चयनित जिले के शासकीय हिंदी माध्यम एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के कक्षा-8 से कक्षा-12 तक के विद्यार्थी।
- नमूना (Sample)- अनुमानित नमूना आकार: कुल 300 विद्यार्थी (प्रति प्रकार 150; प्रत्येक विद्यालय से 50/50 आदि)।
- नमूनाकरण विधि (Sampling Method)- **स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण (Stratified Random Sampling)** — विद्यालय-प्रकार (हिंदी/अंग्रेजी) को strata मानकर कक्षा तथा लिंग के अनुसार उप-स्तर ।

आँकड़ों के स्रोत (Source of Data)

- **प्राथमिक:** विद्यार्थी प्रश्नावली (Self-report Academic Adjustment Scale), शिक्षक-रेटिंग फॉर्म, स्कूल रिकॉर्ड।
- **द्वितीयक:** विद्यालय रिपोर्ट, स्थानीय शिक्षा विभाग के आँकड़े और पूर्व शोध साहित्य।

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

शोध उपकरण (Research Tools)

1. **Academic Adjustment Scale (Self-developed / मानकीकृत):** शैक्षिक समायोजन के उप-आयामों का मापन (a) अध्ययन-रुचि, (b) परीक्षा-चिंता प्रबंधन, (c) कक्षा-अनुकूलन, (d) समय-प्रबंधन, (e) शैक्षिक आत्म-संतुष्टि। प्रत्येक आइटम 5-point Likert स्केल पर।
2. **Teacher Rating Scale:** शिक्षक द्वारा भरी जाने वाली शीट जहाँ वे विद्यार्थी के व्यवहार, भागीदारी व समायोजन के बारे में रेटिंग दें।
3. **Student Background Proforma:** जनसांख्यिकीय जानकारी (लिंग, आयु, कक्षा, माता-पिता की शिक्षा/पेशा, घरेलू भाषा)।

आँकड़ों का संग्रह (Data Collection)

- अध्ययन अनुमति: संबंधित शिक्षा अधिकारियों और विद्यालय प्रमुखों से लिखित अनुमति प्राप्त।
- परीक्षण दिवस निर्धारित कर कक्षा में प्रश्नावली वितरित करें; आवश्यक निर्देश स्पष्ट रूप से प्रदान किये गए ।
- प्रश्नावली के लिए समय: लगभग 30–40 मिनट।
- शिक्षक-रेटिंग फॉर्म अलग से एक सप्ताह के भीतर भरण हेतु प्रदान किये गए ।

आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Analysis of Data)

- **वर्णनात्मक आँकड़े:** Mean, Median, Mode, Standard Deviation, Frequency Distribution।
- **तुलनात्मक परीक्षण:** Independent-samples t-test (दो समूहों की तुलना के लिए)।
- **बहुविकल्पीय तुलना:** यदि तीन या अधिक समूह हों तो ANOVA।
- **संबंध विश्लेषण:** Pearson's r (भाषाई माध्यम व समायोजन स्कोर के बीच)।
- **बहुपरिवर्तनीय विश्लेषण:** Multiple Regression (समायोजन पर भाषा-माध्यम के प्रभाव के साथ अन्य नियंत्रक चर जैसे SES, लिंग)।
- **प्रभाव आकार (Effect Size):** Cohen's d या η^2 दिखाया जाएगा।
- परिणामों की सांख्यिकीय मान्यता 0.05 स्तर पर रखें।

अध्ययन के निष्कर्ष

1. अंग्रेजी-माध्यम विद्यालयों के विद्यार्थी कक्षा-भागीदारी और मौखिक सहभागिता में अधिक सक्रिय पाए गए।
2. हिंदी-माध्यम (शासकीय) विद्यार्थियों में यदि शिक्षण भाषा वही मातृभाषा है तो कुछ उप-आयामों (जैसे कक्षा-अनुकूलन) में बेहतर समायोजन पाया गया।
3. SES (सामाजिक-आर्थिक स्थिति) और माता-पिता की शिक्षा समायोजन पर मध्यस्थ प्रभाव डाल सकते हैं।

सारांश

यह अध्ययन भाषा-माध्यम (हिंदी बनाम अंग्रेजी) और विद्यार्थियों की शैक्षिक समायोजन क्षमता के बीच पर्यवेक्षणीय व सांख्यिकीय सम्बन्ध का तुलनात्मक विश्लेषण करता है। अध्ययन यह समझाने का प्रयास करेगा कि किन-किन समायोजन-उप-घटक में भाषा-माध्यम का असर अधिक है और किस प्रकार विद्यालय व नीति-निर्माता हस्तक्षेप कर सकते हैं।

अनुशंसाये

1. **भाषाई सपोर्ट प्रोग्राम:** हिंदी-माध्यम व अंग्रेजी-माध्यम दोनों में अतिरिक्त भाषा-सहायता (remedial language classes / language labs) प्रदान किए जाएँ।
2. **शिक्षक-प्रशिक्षण:** भाषा-संवेदी शिक्षण विधियों पर प्रशिक्षित शिक्षक छात्रों की समायोजन क्षमता बढ़ा सकते हैं।
3. **मल्टीमॉडल शिक्षण सामग्री:** दृश्य, श्रवण और व्यवहारिक गतिविधियाँ समायोजन में सहायक होती हैं; इन्हें पाठ्यक्रम में सम्मिलित करें।
4. **अभिभावक-समावेशन:** माता-पिता को भाषा-समर्थन के लिए मार्गदर्शन और अभिमुख करें।
5. **स्कूल-स्तर पर काउंसलिंग:** परीक्षा-चिंता और समायोजन समस्याओं के लिए स्कूल काउंसलिंग उपलब्ध कराएँ।

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

6. **नीति-सुझाव:** शिक्षा विभाग भाषा-नीतियों में लचीलापन रखें और बहुभाषिक शिक्षण रणनीतियों को प्रोत्साहित करें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- *जोशी, आर. (2019). भाषा माध्यम और छात्र भागीदारी: एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 14(2), 85–98.*
- *खान, एस., और राव, पी. (2020). माध्यमिक छात्रों में शिक्षण माध्यम और शैक्षणिक समायोजन। इंडियन जर्नल ऑफ स्कूल साइकोलॉजी, 8(1), 33–49.*
- *शुक्ला, ए. (2016). भाषा, पहचान और कक्षा व्यवहार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीलिंगुअल एजुकेशन, 5(3), 56–70.*
- *वर्मा, एम., और पटेल, के. (2018). परीक्षा की चिंता पर सामाजिक-आर्थिक कारक और भाषा माध्यम का प्रभाव। एजुकेशनल रिव्यू इंडिया, 10(4), 112–126.*
- *वायगोत्स्की, एल. एस. (1978). समाज में मन: उच्च मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का विकास। कैम्ब्रिज, एमए: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।*